हरिभूमि
# रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 6 अप्रैल 2025

**तापमान**

अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 16.5 डिग्री

9 'सैयां भये कोतवाल' नाटक का मंचन, मैना के प्रेम में राजा का पलंग चुराने वाले कोतवाल को मृत्युदंड

10 रेवाड़ी व कोसली अनाजमंडी में लगे गेहूं व सरसों के अंबार, बावल मंडी में गेहूं की आवक नहीं

## खबर संक्षेप

### कार की टक्कर लगने से तीन लोग घायल

**नाहड़।** झाल बस स्टैंड पर कंबाइन मशीन ठीक करा रहे तीन लोगों ने एक कार ने टक्कर मार दी, जिससे तीनों घायल हो गए। जुड्डी निवासी विक्रम, यूपी के काटीखेड़ी निवासी तीर्थ व अरविंद झाल बस स्टैंड पर कंबाइन मशीन ठीक करा रहे थे। तीनों सड़क किनारे खडे हुए थे। इसी दौरान कोसली की ओर से आ रही एक कार ने तीनों को टक्कर मार दी। आसपास के लोगों ने तीनों को तुंरत अस्पताल पहुंचाया। चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस ने विक्रम के बयान पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी कार चालक की तलाश शुरू कर दी।

### यौन उत्पीड़न मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** महिला थाना पुलिस ने यौन उत्पीड़न के आरोपों में दर्ज एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर 20 मार्च को महेंद्रगढ़ के बेवल निवासी गोविंद के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। केस दर्ज होने के बाद आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर हो गया था। महिला ने उसे पीछा करते हुए तंग करने और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। पुलिस ने आरोपी गोविंद को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

### सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

**कुंड।** कुंड पुलिस चौकी ने 4 अप्रैल को सड़क हादसे को अंजाम देने के आरोपी गाड़ी चालक को गिरफ्तार कर लिया। एक कैंटर चालक ने मांढण रोड पर साइकिल को टक्कर मार दी थी। इसके बाद दिव्यांग की मौत हो गई थी। चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चालक की तलाश शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने यूपी के गणेशपुर निवासी अनिल को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

### मारपीट के मामले का आरोपी किया काबू

**रेवाड़ी।** थाना रामपुरा पुलिस ने गत वर्ष 20 अक्टूबर को कुतुबपुर में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने एक आरोपी कुतुबपुर निवासी पंकज को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

### महाशय भीमसिंह स्मृति में समारोह आज

**रेवाड़ी।** जिले के गांव लिसान निवासी रेडियो सिंगर तथा होली गायक महाशय भीमसिंह की स्मृति में 6 अप्रैल को गांव दखोरा के शिव मंदिर में प्रातः 9 बजे समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह के संयोजक लोकगायक रामसिंह दखोरिया ने बताया कि कार्यक्रम में भीमसिंह के करीब एक दर्जन शिष्य उनकी रागनियों के गायन के माध्यम से श्रद्धांजलि देंगे तथा महाशय भीमसिंह स्मृति सम्मान भी प्रदान किए जाएंगे।

### सैनी स्कूल में विद्यार्थियों ने मनाया रेड-डे

**रेवाड़ी।** महाराजा शूर सैनी मार्ग स्थित सैनी पब्लिक स्कूल में शनिवार को रेड डे मनाया गया। सभी बच्चे लाल रंग की वेशभूषा में विद्यालय आए। नन्हे-मुन्ने बच्चे अपने लाल परिधानों में बेहद खूबसूरत लग रहे थे। लाल रंग के शेड्स ने बच्चों को उज्वल और खुशमिजाज महसूस कराया। रेड डे एक अद्भुत शिक्षण गतिविधि है, जो बच्चों को रंगों के आधार पर वस्तुओं को छांटने और वगीर्कृत करने में मदद करती है।

---

### अधिकारियों की ओर से वर्षों से नहीं की जा रही अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई

# शहर में सरकारी जमीन पर कब्जा करने की लगी होड़, आंख बंद किए बैठा प्रशासन

■ ग्रीन बेल्ट पर उड़ रहीं नियमों की धज्जियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में डीटीपी की ओर से अवैध निर्माणों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों से भी अवैध कब्जे हटाए जा रहे है। पिछले दिनों से समाधान शिविर में भी अवैध कब्जो की लगातार शिकायतें आ रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से शहर की ग्रीन बेल्ट पर किए गए अवैध कब्जों को नहीं हटाया जा रहा है। प्रशासनिक विभागों ने शहर को व्यवस्थाओं के मामले में पूरी तरह रामभरोसे छोड़ा हुआ है। लोग नियमों की धज्जियां उड़ाकर सरकारी जमीनों पर कब्जा करने में लगे हुए हैं। आईओसी चौक से राजेश पॉयलट चौक, सेक्टर-4 बाइपास, सेक्टर-3 हाउसिंग बोर्ड, बावल रोड व मॉडल टाउन सहित शहर के कई अन्य इलाकों में बिल्डिंग एक्ट की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जगह-जगह ग्रीन बेल्ट की सरकारी जमीन पर कब्जे किए जा रहे हैं। इसके बावजूद अधिकारियों की नींद नहीं टूट नहीं पा रही है। कई स्थानों पर मल्टी स्टोरीज बिल्डिंग बनाकर कमर्शियल कार्य किया जा रहा है। कमर्शियल कंस्ट्रक्शन पर पाबंदी लगाने की दिशा में नगर परिषद के अधिकारी अभी तक कोई कदम नहीं उठा पाए हैं। अब शहर की ग्रीन बेल्ट पर कब्जों की भरमार हो चुकी है। सेक्टर-3 हाउसिंग बोर्ड की ग्रीन बेल्ट में लोगों ने पक्के निर्माण करके कब्जे कर लिए है। यहां तक ग्रीन बेल्ट में चारों तरफ जालियां लगाकर गाड़ियों के लिए गैराज बना लिया है और कपड़े तक सुखाएं जा रहे है। बावल रोड, अनाजमंडी रोड, बाइपास, सेक्टर-1, सेक्टर-3, सेक्टर-4 व गढ़ी बोलनी रोड पर ग्रीन बेल्ट में कब्जे किए हुए है।

रेवाड़ी। बाइपास पर ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जा, सेक्टर-3 हाउसिंग बोर्ड में ग्रीन बेल्ट पर पक्का निर्माण। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। ग्रीन बेल्ट पर टीनशेड लगाकर किया जा रहा यूज। फोटो :हरिभूमि

**सरकारी जमीन कब्जा करके पक्का निर्माण**

नगर परिषद व एचएसवीपी की ओर से इनके खिलाफ जांच के बाद एक्शन लिया जाए, तो कई निर्माण ध्वस्त होने तक की चपेट में आ सकते हैं, लेकिन अधिकारियों की ओर से भी ऐसे लोगों को कब्जा करने का पूरा मौका दिया हुआ है। राजेश पायलट चौक और दिल्ली रोड से लेकर शहर के कई इलाकों में सरकारी जमीन को हथियाने की होड़ लगी हुई है। पायलट चौक के आसपास ग्रीन बेल्ट की जमीन कब्जों की चपेट में आ चुकी है। कहीं टीन शेड डालकर कब्जे किए जा चुके हैं, तो कहीं पुख्ता निर्माण करके जमीनों पर कब्जा किया हुआ है। सेक्टर-3 स्थित हाउसिंग बोर्ड की सरकारी जमीन पर लोगों ने काफी समय से कब्जा करके पक्का निर्माण तक कर लिया है। लोगों ने ग्रीन बेल्ट पर टाइल्स व जालियां लगाकर गाड़ियों का पार्किंग स्थल बना लिया है। अधिकारियों ने वर्षों से मौके पर जाकर जांच तक नहीं की है।

---

### ईको की टक्कर से पिकअप का संतुलन बिगड़ा

## सीमेंट के पोल से टकराने के बाद सब्जी व्यापारी की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर काठूवास रोड पर एक ईको कार के साइड मारने से पिकअप गाड़ी संतुलन बिगड़कर नाले के पास सीमेंट के पिलर से टकरा गई। इस हादसे में पिकअप चला रहे सब्जी व्यापारी की मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद ईको चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। राजस्थान के बर्डोद निवासी पिंकू सैनी सब्जी का व्यापारी था। वह पिकअप गाड़ी में टमाटर भरकर दिल्ली के लिए चला था। काठूवास रोड पर ओवरटेक करते समय ईको कार ने उसकी गाड़ी को साइड मार दी। पिकअप गाड़ी संतुलन बिगड़ने से सड़क किनारे सिमेंट के पिलर से टकरा गई। इस हादसे में पिंकू बुरी तरह घायल हो गया। ईको चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पिंकू के साथ दूसरी गाड़ी में चल रहे चचेरे भाई योगेश ने उसे पिकअप से निकालकर एंबुलेंस की मदद से सरकार अस्पताल पहुंचाया। वहां से गंभीरावस्था में पिंकू को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजन उसे जयपुर के एसएमएस अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

### भतीजा गंभीर रूप से घायल

## ट्रॉले की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाल्हावास

गुरावड़ा के निकट रोहतक नेशनल हाइवे पर ट्रॉले की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी। गुरावड़ा निवासी गजराज और उसका भतीजा सतपाल बाइक से अपने खेत से घर लौट रहे थे। बाइक सतपाल चला रहा था। सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के पास एक तेज रफ्तार ट्रॉले ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों सड़क पर गिर गए। ट्रॉले ने दोनों के पैरों को कुचल दिया। इसी दौरान मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। चालक ट्रॉले सहित वहां से फरार हो गया। लोगों ने दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां गजराज को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सतपाल को ट्रॉमा सेंटर से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजन उसे एक प्राइवेट अस्पताल में ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा है। रोहड़ाई थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया।

---

*झुग्गी-झोपड़ियों व संदिग्ध स्थानों की जांच की*

## पुलिस, डॉग स्क्वायड व कमांडो टीम ने चलाया सर्च ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कसोला

शनिवार को कसोला थाना पुलिस, डॉग स्क्वायड व कमांडो टीम की ओर से संयुक्त रूप से बनीपुर व कसोला चौक पर विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस ने झुग्गी-झोपड़ियों और संदिग्ध स्थानों की जांच की। पुलिस ने बाहरी श्रमिकों के पहचान पत्र व वाहनों के कागजातों की भी जांच की। कसोला थाने से एसआई प्रदीप कुमार ने कहा कि पुलिस की ओर से सुरक्षा के मद्देनजर और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को काबू करने के लिए अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक डा. मयंक गुप्ता के मार्गदर्शन में पुलिस की टीमें सर्च अभियान चलाकर संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी कर रही है। शनिवार को सर्च अभियान में किसी प्रकार की आपत्तिजनक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे। एसपी डा. मयंक गुप्ता ने कहा कि अगर कोई नशीला पदार्थ बेचता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें। असामाजिक तत्वों, संदिग्ध व्यक्ति, वाहन मिलने व किसी भी आपातकालीन स्थिति में संबंधित थाना या डायल 112 पर सूचना दे सकते है।

रेवाड़ी। सर्च अभियान चलाते हुए पुलिस टीम। फोटो :हरिभूमि

### कैंटर की चपेट में आकर साइकिल सवार की मौत

**कुंड।** मांढण रोड पर फ्लाईओवर के पास दिव्यांग साइकिल को लगी कैंटर की टक्कर से एक दिव्यांग की मौत हो गई। चालक हादसे के बाद कैंटर सहित मौके से फरार हो गया। राजस्थान के खुंदरोठ निवासी कृष्ण कुमार दिव्यांग था। वह दिव्यांग साइकिल से चलता था। घर से साइकिल लेकर वह किसी काम से कुंड की ओर आ रहा था। फ्लाईओवर के पास एक कैंटर ने उसकी साइकिल को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद थाना खोल पुलिस ने अस्पताल जाकर शव को कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया।

## बाइक चोरी मामले में दो आरोपी काबू कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजे

■ एक के खिलाफ पहले भी चोरी का केस दर्ज है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गत 29 जनवरी को फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक के साथ काबू किए गए आरोपी से पूछताछ के बाद बाइक चोरी के मामले में रोहड़ाई थाना पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक के खिलाफ पहले भी चोरी का केस दर्ज है। आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने चेकिंग के दौरान पुलिस ने संदेहजनक बाइक रुकवाकर चालक टूमना निवासी रामपाल से पूछताछ की थी। पूछताछ में वह बाइक के कागजात नहीं दिखा सका। उसने पुलिस को बताया था कि यह बाइक उसने अपनी मौसी के लड़के गुरूग्राम के पटौदी निवासी जोगेश से ली थी। पुलिस ने जांच में पाया कि बाइक पर लगी नंबर प्लेट फर्जी है। यह बाइक गुरूग्राम के फरुखनगर थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। जोगेश ने बताया कि उसने यह बाइक अपने दोस्त गदाईपुर गुरूग्राम निवासी महेश से 6 हजार रुपये में खरीदी थी। महेश ने अपने दोस्त गौरव व विजय से बाइक चलाने के लिए ली थी। पुलिस ने 30 जनवरी को केस दर्ज करने के बाद तमाम पूछताछ करते हुए महेंद्रगढ़ के बसई निवासी अभिषेक व गुरूग्राम के खुर्मपुर निवासी आकाश को इस मामले में गिरफ्तार किया है।

जांच में यह बात भी सामने आई है कि अभिषेक के खिलाफ गुरूग्राम के खेड़की दौला थाने में भी चोरी का केस दर्ज है। पूछताछ करने के बाद पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया।

रेवाड़ी। बाइक चोरी के आरोपी अभिषेक व आकाश। फोटो :हरिभूमि

## नृत्य, संगीत व रंगमंच का प्रशिक्षण लेंगे बच्चे

■ रेवती फाउंडेशन की कार्यशाला का शुरू

■ संगीत एक ऐसा माध्यम है, जिससे किसी भी प्रकार का तनाव को दूर किया जा सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बच्चों के प्रतिभा को निखारने के लिए शनिवार को रेवती फाउंडेशन की ओर से 10 दिवसीय द्वितीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला के पहले दिन बच्चों को नृत्य कला में एकल नृत्य, समूह नृत्य व नृत्य की अलग-अलग विधाओं के बारे में बताया गया। इसी श्रेणी में संगीत के विषय में बताया गया कि रियाज व ध्यान के माध्यम से ही डांस सीखा जा सकता है। संगीत एक ऐसा माध्यम है, जिससे किसी भी प्रकार का तनाव को दूर किया जा सकता है। प्रधान भगवान सिंह ने कहा कि बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए संस्था की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ नृत्य, संगीत व रंगमंच तीनों श्रेणियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था की ओर से समय-समय पर बच्चों को मंच प्रदान कराया जाएगा। इस मौके पर पुलकित शर्मा, मयंक सैनी, धुव्र दत्त, रितु, विवेक, देवेंद्र सिंह, सुमित, अंकित, आशुतोष, जतिन व वर्षांक मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए संस्था सदस्य। फोटो :हरिभूमि

## मकान में चोरी करने का आरोपी काबू कोर्ट से एक दिन के रिमांड पर लिया

**रेवाड़ी।** फरवरी माह में महावीर नगर में एक मकान में सेंध लगाकर नकदी व जेवरात चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट से रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। गत 18 फरवरी को थाना मॉडल टाउन पुलिस को दर्ज शिकायत में महावीर नगर निवासी रिटायर्ड नेवी कर्मचारी सुरेश कुमार ने बताया था कि वह गुरूग्राम के अस्पताल में दवा लेने के लिए गया हुआ था। उसकी पत्नी व दामाद ड्यूटी पर गए हुए थे। जब वह गुरूग्राम से घर लौटा तो मकान के अंदर कमरे में रखी अलमारियों का सामान बिखरा हुआ था। चोर अलमारियों से सोने-चांदी के जेवरात व 73400 रुपये चोरी कर ले गए। पुलिस ने सुरेश की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के खैरथल की गुरूनानक कॉलोनी निवासी रामचरण उर्फ जाडा को गिरफ्तार किया है। चोरी का सामान बरामद करने के लिए उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है।

मकान में चोरी करने वाला गिरफ्तार आरोपी।

---

### आज से तापमान में हो सकती है वृद्धि, आने वाले सप्ताह में बदलेगा मौसम

# दिन के तापमान में 2 डिग्री की गिरावट, तेज धूप से गर्मी का असर बरकरार

■ तेज धूप के चलते दोपहर के समय सड़क से लेकर बाजार तक सुनसान नजर आने लगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

तापमान में कमी आने के बावजूद चिलचिलाती धूप पसीना छुड़ा रही है। रात के तापमान में भी मामूली कमी आई है। आने वाले सप्ताह में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना है। सप्ताह के मध्य पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। आसमान में बादलों व तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी की संभावना भी जताई जा रही है। अगले सप्ताह दो से तीन दिन तक मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। शनिवार को सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। तेज धूप के कारण दोपहर तक भारी गर्मी ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया। हालांकि अधिकतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, परंतु गर्मी का असर कम नहीं हुआ। रात का तापमान 0.5 डिग्री की कमी के साथ 16.5 डिग्री पर आ गया। तेज धूप के चलते दोपहर के समय सड़क से लेकर बाजार तक सुनसान नजर आने लगे। वाहनों की संख्या भी सड़कों पर कम रही। हवा की गति 18 किमी प्रति घंटा रही, जबकि नमी का स्तर 23 फीसदी तक रहा। रात का तापमान अभी भी सामान्य से कम बना हुआ है, जिस कारण रात अभी गर्म नहीं होने लगी हैं। दिन के समय गर्मी अपना रंग दिखाने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार से तापमान में एक बार फिर उछाल आना शुरू हो सकता है। आने वाले सप्ताह में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच सकता है। 9 अप्रैल से पश्चिमी विक्षोभ एक बार फिर सक्रिय हो रहा है। इससे तीन दिन तक आसमान में बादल छा सकते हैं। कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी भी हो सकती है। इस दौरान तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस तक की कमी आ सकती है, जिससे कुछ दिनों तक गर्मी से राहत मिल सकती है। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में तापमान एक बार फिर तेजी से बढ़ सकता है।

रेवाड़ी। एक खेत में काटी गई गेहूं की फसल। फोटो :हरिभूमि

**आगामी सप्ताह में बरसात की संभावना**

जिले में सरसों की कटाई का लगभग कार्य पूरा हो चुका है तथा गेहूं की कटाई का कार्य तेजी से चल रहा है। इस समय अगर बारिश होती है, तो गेहूं की फसल को नुकसान हो सकता है। हवाओं के साथ बारिश फसल को जमीन पर गिरा सकती है। किसानों ने भी बदलते मौसम को देखते कटाई का कार्य और तेज कर दिया है। आगामी सप्ताह में बरसात होने की संभावना जताई जा रही है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

# स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट से निवेश को रखा जा सकता सुरक्षित

*संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है, रिटर्न को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जोखिम प्रबंधन तकनीकों से सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं, बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं*

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट करना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके निवेश को सुरक्षित रखने में मदद करता है। स्टॉक मार्केट एक स्वाभाविक रूप से अस्थिर वातावरण है जहां मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, कंपनी के प्रदर्शन और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसे विभिन्न कारकों से जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी होना आवश्यक है जो संभावित नुकसान को कम करने और रिटर्न को अधिकतम करने में उन्हें मदद कर सकती है। जोखिम प्रबंधन तकनीकों को लागू करके, निवेशक सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस संदर्भ में, इस निबंध का उद्देश्य स्टॉक मार्केट में जोखिम प्रबंधन की अवधारणा, इसके महत्व, और निवेशक जो विभिन्न रणनीतियों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

## जोखिम प्रबंधन क्या है

जोखिम प्रबंधन यानी रिस्क मैनेजमेंट किसी गतिविधि या निवेश से जुड़े जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और कम करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य इसके रिटर्न को अधिकतम करते समय निवेश पोर्टफोलियो पर जोखिमों के संभावित प्रभाव को कम करना है। स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट में एक कॉमप्रिहेंसिव दृष्टिकोण शामिल है जो एक इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है। इन कारकों में मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक कार्यक्रम और कंपनी के प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं। कई जोखिम प्रबंधन तकनीक हैं, जिनका उपयोग निवेशक जोखिमों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं। एक लोकप्रिय स्ट्रेटेजी विविधता है, जहां इन्वेस्टर अपने पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाते हैं. अन्य तकनीकों में हेजिंग शामिल हैं, जहां इन्वेस्टर संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करते हैं, और ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का उपयोग करते हैं।

## जोखिम प्रबंधन ऐसे करता है काम

जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करके, उनकी संभावना और संभावित प्रभाव का आकलन करके और उन जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करके काम करता है। इसमें कई चरण शामिल होते हैं।

**1. जोखिम पहचान:** जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का पहला चरण निवेश पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले संभावित जोखिमों की पहचान करना है। यह ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण, मार्केट रिसर्च या एक्सपर्ट ओपिनियन जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

**2. जोखिम मूल्यांकन :** संभावित जोखिमों की पहचान होने के बाद, उन्हें निवेश पोर्टफोलियो पर घटना और संभावित प्रभाव की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इस चरण में जोखिम की गंभीरता और इसकी घटना की संभावना का विश्लेषण शामिल है।

**3. जोखिम मूल्यांकन:** जोखिमों का मूल्यांकन करने के बाद, उनका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकता और महत्व के आधार पर किया जाता है। इस चरण में यह निर्धारित करना शामिल है कि

कौन से जोखिम सबसे महत्वपूर्ण हैं और तुरंत ध्यान देना आवश्यक है।

**4. जोखिम उपचार:** जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का अंतिम चरण पहचाने गए जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करना है। यह विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे डाइवर्सिफिकेशन, हेजिंग या ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट।

## जोखिम प्रबंधन के प्रकार

**1. मार्केट रिस्क मैनेजमेंट :** मार्केट रिस्क मार्केट की उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप नुकसान होने की संभावना है, जैसे ब्याज दरों, मुद्रास्फीति या करेंसी एक्सचेंज दरों में परिवर्तन। इस जोखिम प्रबंधन में निवेश पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विविधता, हेजिंग और सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है।

**2. क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट :** क्रेडिट रिस्क का अर्थ उधारकर्ता की लोन का भुगतान करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप नुकसान को समाप्त करने की संभावना है या अन्य फाइनेंशियल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की संभावना है। इस जोखिम प्रबंधन में उधारकर्ताओं की क्रेडिट योग्यता का आकलन करना और डिफॉल्ट के संभावित प्रभाव को कम करने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कोलैटरल या इंश्योरेंस।

**3. ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट:** इंटरनल प्रोसेस, सिस्टम या लोगों में विफलताओं के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम ऑपरेशनल रिस्क है। इस जोखिम प्रबंधन में संचालन विफलताओं के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है, जैसे आकस्मिक प्लानिंग या आपदा रिकवरी।

**4. लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन:** आवश्यकता पड़ने पर एसेट को कैश में बदलने में असमर्थता के कारण नुकसान की संभावना को लिक्विडिटी जोखिम के रूप में जाना जाता है। यह जोखिम प्रबंधन पर्याप्त नकदी आरक्षित रखता है और यह गारंटी देने के लिए प्रक्रियाएं रखता है कि आवश्यकता होने पर एसेट को तेजी से नकद में बदला जा सकता है।

**5. प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन:** प्रतिष्ठात्मक जोखिम कंपनी की प्रतिष्ठा या ब्रांड के नुकसान के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम है। प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन में कंपनी की प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कि सोशल मीडिया की निगरानी करना और नकारात्मक फीडबैक का जल्दी जवाब देना।

**6. कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन:** नियमों और विनियमों को तोड़ने के परिणामस्वरूप होने वाला नुकसान कानूनी और नियामक जोखिम के रूप में जाना जाता है। संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुपालन की गारंटी देने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन का हिस्सा है।

## क्या हों रणनीतियां

**1. डाइवर्सिफिकेशन:** डाइवर्सिफिकेशन एक स्ट्रेटेजी है जिसमें पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में इन्वेस्टमेंट को फैलाना शामिल है। विभिन्न सेक्टरों, भौगोलिक क्षेत्रों और मार्केट कैपिटलाइजेशन में स्टॉक की रेंज में इन्वेस्ट करके, इन्वेस्टर पोर्टफोलियो पर किसी भी एक स्टॉक या सेक्टर के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

**2. स्टॉप-लॉस ऑर्डर:** स्टॉप-लॉस ऑर्डर अगर यह एक निश्चित प्राइस पॉइंट तक पहुंचता है, तो स्टॉक बेचने का ऑर्डर है। यह रणनीति उस स्थिति में संभावित नुकसान को सीमित करने के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसमें स्टॉक की कीमत पूर्वनिर्धारित सीमा से कम होती है।

**3. हेजिंग:** हेजिंग में संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना शामिल है। उदाहरण के लिए, अगर स्टॉक की कीमत कम हो जाती है, तो इन्वेस्टर संभावित नुकसान से सुरक्षा के लिए स्टॉक पर विकल्प खरीद सकता है।

**4. ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट:** मार्केट परिस्थितियों को शिफ्ट करने के लिए निरंतर आधार पर पोर्टफोलियो की निगरानी और बदलना को ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के रूप में जाना जाता है। बुद्धिमानी से निवेश चयन करने के लिए, इस तकनीक के लिए मार्केट ट्रेंड, कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस और आर्थिक डेटा का आकलन करना आवश्यक है।

**5. डॉलर-लागत औसत:** डॉलर-लागत औसत एक तरीका है, जिसमें मार्केट की स्थितियों के बावजूद कंपनी में नियमित अवधि में निरंतर राशि निवेश की जाती है। यह तकनीक निवेशकों को कीमतें कम होने पर अधिक स्टॉक खरीदकर मार्केट की अस्थिरता से लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाती है और जब कीमतें अधिक होती हैं तो कम शेयर होते हैं।

**6. फंडामेंटल एनालिसिस:** फंडामेंटल एनालिसिस, अपने फाइनेंशियल स्टेटमेंट, इंडस्ट्री ट्रेंड और अन्य संबंधित डेटा का मूल्यांकन करके कंपनी के अंतर्निहित मूल्य को निर्धारित करने का एक तरीका है। यह विधि उन स्टॉक को खोजने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो सस्ते हैं और संभावित वृद्धि की संभावनाएं हैं।

# बुलियन मार्केट बूम-बूम : क्या यह गोल्ड फंड में निवेश का सही समय

सुझाव | बिजनेस डेस्क

सोना यानी गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना हुआ है, खासकर तो ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में यह और बढ़ जाता है। सोने की एमसीएक्स पर कीमत 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है। सिर्फ इस साल यानी 2025 की बात करें तो इसकी कीमतों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है, जबकि साल 2024 में सोना 27 फीसदी मजबूत हुआ था। इंटरनेशनल स्तर पर, सोना 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की महत्वपूर्ण रेंज को पार कर गया है, वहीं कुछ ब्रोकरेज हाउस ने आगे और मजबूती की संभावना जताई है। अब यह सवाल उठता है कि क्या निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ और म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, या यह

## सोने में रैली जारी रहने की उम्मीद

बुलियन मार्केट के जानकारों का कहना है कि सोने में पिछले 15 महीने की प्रभावशाली रैली यह सोचने पर मजबूत करती है कि इस तरह की तेजी किन वजहों से आई है। यह वर्तमान में दुनिया भर में जियो-पॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितताओं द्वारा संचालित टॉप प्रदर्शन करने वाला एसेट क्लास है। सोने की सेफ हैवन वाली स्थिति और मजबूत होती है, क्योंकि विशेष रूप से टैरिफ को लेकर अमेरिकी पॉलिसी, वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाती हैं। एक प्रमुख फैक्टर केंद्रीय बैंकों द्वारा रिकॉर्ड तोड़ सोना खरीदना भी है, जिसका उद्देश्य रिजर्व में विविधता लाना और अमेरिकी डॉलर जैसी सिंगल-करेंसी एसेट्स पर निर्भरता कम करना है। यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जिससे निकट भविष्य से लेकर लॉन्ग टर्म में सोने की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। जियो-पॉलिटिकल टेंशन और केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी से दूर जाने का यह संयोजन सोने की कीमतों में तेजी के पीछे प्रमुख फैक्टर हैं। भारत में, विशेष रूप से वेडिंग सीजन के दौरान ज्वैलरी की पारंपरिक मांग, सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ाती है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की टैरिफ पॉलिसी ने सुरक्षित माने जाने वाले एसेट्स का आकर्षण बढ़ा दिया है। पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता, वैश्विक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और भारत व चीन में रिटेल इंटरेस्ट से प्रेरित सोने की मांग में यह स्ट्रक्चरल शिफ्ट आगे जारी रह सकता है। इसलिए सोने में निवेश किया जा सकता है।

## गोल्ड फंड में निवेश

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए, सोने से संबंधित एसेट्स हमेशा एक व्यवहारिक विकल्प होते हैं। शॉर्ट टर्म की प्राइस वोलेटिलिटी को कम करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की सलाह है। इंडेक्स फंड, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड सहित गोल्ड फंड, व्यापक आर्थिक अनिश्चितता के दौरान पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं और महंगाई के खिलाफ सुरक्षा दे सकते हैं।

## सोने में कमा लिया मुनाफा तो क्या करें

निवेशक अपने रिस्क लेने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रख सकते हैं। एलाइनमेंट सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पोर्टफोलियो समीक्षा जरूरी है। फाइनेंशियल प्लानर लॉन्ग टर्म एसेट एलोकेशन पर टिके रहने की सलाह दे रहे हैं। अगर आवश्यक हो, तो फाइनेंशियल एडवाइजर के गाइडेंस में रीबैलेंसिंग किया जा सकता है। सोने को आम तौर पर एक लॉन्ग टर्म एसेट क्लास माना जाता है और उसी के अनुसार स्ट्रैटेजी अपनाई जानी चाहिए।

## लंबे समय के लिए करें निवेश

- वैश्विक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंक की खरीद के कारण सोने की कीमतें बढ़ी।
- लॉन्ग टर्म निवेशक सोने की स्थिरता और महंगाई के खिलाफ हेजिंग से लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव को मैनेज करने के लिए आदर्श विकल्प है।
- एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रखें और रीबैलेंसिंग के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर से परामर्श करें।
- सोना एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट एसेट है।

**गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना है, ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में और बढ़ जाता है, सोने की एमसीएक्स पर दाम 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हैं।**

## बुलियन मार्केट में निवेश करने के चरण

### चरण 1 : समझें बुलियन मार्केट

1. **बुलियन क्या है?** : बुलियन सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को कहते हैं।
2. बुलियन मार्केट कैसे काम करता है? : बुलियन मार्केट में इन धातुओं का कारोबार होता है, जहां निवेशक इन्हें खरीदते और बेचते हैं।

### चरण 2: निवेश के विकल्प चुनें

1. **फिजिकल बुलियन** : सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को फिजिकल रूप में खरीदना।
2. **गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (जीईटीएफ)** : गोल्ड जीईटीएफ में निवेश करना, जो सोने की कीमत के अनुसार चलता है।
3. **बुलियन ईटीएफ** : अन्य कीमती धातुओं जैसे चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम के ईटीएफ में निवेश करना।
4. **बुलियन म्यूचुअल फंड्स** : बुलियन म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना, जो कीमती धातुओं में निवेश करते हैं।
5. **ऑनलाइन बुलियन प्लेटफॉर्म** : ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे कि बुलियनबाजार, पेटीएम गोल्ड, आदि पर निवेश करना।

### चरण 3: निवेश करने से पहले ध्यान रखें

1. **जोखिम समझें** : बुलियन मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश करने से पहले जोखिम को समझें।
2. निवेश के लक्ष्य तय करें : अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना।
3. **निवेश की राशि तय करें** : अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
4. **निवेश के लिए समय तय करें** : अपने निवेश के लिए समय तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

### चरण 4: निवेश करें

1. **निवेश के लिए खाता खोलें** : निवेश के लिए एक खाता खोलें, जो आपके निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
2. **निवेश करें** : अपने निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार निवेश करें।
3. **निवेश की निगरानी करें** : अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार समायोजन करें। इस सोने में निवेश को सही समय हो सकता है। आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

# छोटे-छोटे निवेश भी बना सकते हैं करोड़पति!

बिजनेस डेस्क

- 2000, 5000 और 10000 के मंथली निवेश करें
- लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, पीछे मुड़कर न देखें

तेजी से बढ़ती महंगाई और भविष्य के अनिश्चितताओं को देखते हुए हर कोई बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहता है। अगर आप भी अपने भविष्य के लिए एक बड़ा फाइनेंशियल गोल तय करना चाहते हैं तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। सिर्फ सुझावों के भरोसे न रहें। खुद शेयरों का मूल्यांकन करना सीखें। एसआईपी के जरिए नियमित रूप से छोटा-छोटा अमाउंट निवेश करके आप एक दिन करोड़पति बन सकते हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान की खूबी यह है कि आप छोटा-छोटा अमाउंट का इन्वेस्टमेंट करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि आप आप 2,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये की एसआईपी करते हैं और उसे हर साल 10% बढ़ाते हैं, तो 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करने में कितना समय लगेगा। इस कैलकुलेशन के लिए हम मानते हैं कि आपके निवेश पर सालाना आधार पर 12% का रिटर्न मिलेगा, जो लंबे समय के निवेश में लॉर्ज कैप म्यूचुअल फंड के जरिए भी हासिल किया जा सकता है।

**2,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) :** यदि आप 2,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 27 साल में 1.05 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 29,06,399 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 75,81,135 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,04,87,533 रुपये

**5,000 रुपये की एसआईपी ( हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) :** यदि आप 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 21 साल में 1.08 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 38,40,150 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 70,22,858 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,08,63,008 रुपये

**10,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) :** यदि आप 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 17 साल में 1.16 करोड़ रुपयेका फंड हो जाएगा।
- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 48,65,364 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 66,98,342 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,15,63,706 रुपये

## गिरावट के दौरान बंद न करें एसआईपी

जब बाजार में गिरावट आती है तो कई निवेशक घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। लेकिन वह एसआईपी जारी रखने का समय होता है, क्योंकि जब बाजार गिरता है तो कम कीमत में म्यूचुअल फंड की ज्यादा यूनिट मिलती है। लंबे समय में शेयर मार्केट हमेशा ऊपर जाता है, इसलिए गिरावट का लाभ उठाना चाहिए।

## क्या है एसआईपी

एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, म्यूचुअल फ्रंड में निवेश करने का एक तरीका है। इसमें, निवेशक एक निश्चित राशि को पहले से तय समय पर निवेश करता है. यह निवेश साप्ताहिक, मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक, या वार्षिक आधार पर किया जा सकता है।

## एसआईपी के फ़ायदे

- बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को नियमित रूप से बचत की आदत लगती है।
- कंपाउंडिंग व औसत लागत की शक्ति का लाभ मिलेगा।
- निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को समयबद्ध तरीके से निवेश करने में मदद मिलती है।

# हेल्थ इंश्योरेंस में सम इंश्योर्ड की अहम भूमिका

जानकारी | बिजनेस डेस्क

भास्कर नेरुरकर

**अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण**

**यह आपको बताता है कि एमरजेंसी के समय आपके पास कितना कवरेज होगा**

इंश्योरेंस में जानने लायक सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है सम इंश्योर्ड, हेल्थ इंश्योरेंस के संदर्भ में यह सबसे खास है. यह एक पॉलिसी वर्ष में आपके मेडिकल खर्चों के लिए आपकी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि को दर्शाता है। अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको पता चलता है कि कोई बीमारी या एमरजेंसी का सामना होने पर आपके पास कितना कवरेज होगा। हेल्थकेयर की लागत बढ़ रही है, ऐसे में सही सम इंश्योर्ड होने से आप मेडिकल ट्रीटमेंट पर आने वाले अधिक बिल से बच सकते हैं। हममें से बहुत से लोगों को सही कवरेज चुनना काफी मुश्किल लगता है। बुनियादी बातों को समझकर, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के बारे में स्मार्ट निर्णय ले सकते हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि आपके पास मेडिकल खर्चों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सहायता होगी। इसलिए, सही सम इंश्योर्ड होने का मतलब है अपने अप्रत्याशित हेल्थकेयर खर्चों के बारे में अधिक चिंता से मुक्ति।

## अब आइए सम इंश्योर्ड के महत्त्व को समझते हैं

### 1. पर्याप्त हेल्थकेयर कवरेज लें

अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्त्वपूर्ण है। अगर आप बहुत कम सम इंश्योर्ड चुनते हैं, तो आपको मेडिकल बिल के लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है और अगर आप इसे बहुत अधिक पर सेट करते हैं तो आपको जरूरी से अधिक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप ऐसा सम इंश्योर्ड चुनें, जो आपकी जरूरतों को प्रभावी रूप से कवर भी करे और बहुत अधिक महंगा भी न हो। इस तरह, आप बहुत अधिक प्रीमियम का भुगतान करने से बचते हुए यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास अपने स्वास्थ्य खर्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा हो. सही संतुलन की तलाश करने से आपको फाइनेंशियल रूप से सुरक्षित रहने और किसी भी अप्रत्याशित मेडिकल खर्च या बीमारियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। इससे आप बेफिक्र रहेंगे।

### 2. मन की शांति

सही सम इंश्योर्ड होने से आपको मन की शांति मिलती है। आप मेडिकल बिलों की चिंता किए बिना बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। पर्याप्त कवरेज के साथ, आप लागत के बारे में सोचे बिना सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर चुन सकते हैं। यानी, यह जानते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं कि आप अप्रत्याशित खर्चों से सुरक्षित हैं। इससे आपको सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलती है और आप इलाज के लिए भुगतान करने के तनाव के बिना तेजी से ठीक हो पाते हैं।

### 3. गंभीर बीमारियों के लिए कवरेज

गंभीर रोगों का सामना करते समय, इलाज का खर्च बहुत अधिक हो सकता है। कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए अक्सर महंगे उपचारों और हॉस्पिटल में लंबे समय तक रहने की आवश्यकता होती है। इसलिए अधिक सम इंश्योर्ड होना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास इन अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों के लिए पर्याप्त कवरेज हो। पर्याप्त इंश्योरेंस के साथ, आप इलाज के लिए भुगतान करने की चिंता करने के बजाय बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

### 4. फैमिली कवरेज

फैमिली हेल्थ प्लान चुनते समय, ऐसी कवरेज राशि चुनना महत्त्वपूर्ण है, जो हर किसी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा कर सके। अगर आपके परिवार में छोटे बच्चे और वृद्ध माता-पिता हैं, तो उन्हें अलग-अलग तरह की मेडिकल केयर की आवश्यकता पड़ सकती है। हर कोई सुरक्षित हो यह सुनिश्चित करने के लिए, हमेशा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आयु, स्वास्थ्य स्थितियों और मेडिकल हिस्ट्री पर विचार करें। इस तरह, आप यह आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं कि आपके परिवार को उस समय सर्वश्रेष्ठ मेडिकल केयर मिलेगी, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

### 5. टैक्स लाभ

उच्च मेडिकल खर्चों से आपको सुरक्षित रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, और यह टैक्स लाभ के साथ आता है जिससे आपको पैसे बचाने में मदद मिल सकती है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस पर भुगतान किए गए प्रीमियम के लिए कटौती का क्लेम कर सकते हैं. सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है. उदाहरण के लिए, अगर आपके पास रु. 5 लाख के सम इंश्योर्ड की पॉलिसी है और आप रु. 15,000, का प्रीमियम देते हैं, तो आप इस राशि को अपनी टैक्स योग्य आय से घटा सकते हैं, जिससे आपके द्वारा देय कुल टैक्स कम हो जाता है। अगर आप अपने माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस के लिए भी भुगतान कर रहे हैं, तो आप अतिरिक्त कटौती का क्लेम कर सकते हैं, जिससे आपको अधिक पैसे बचाने में मदद मिलती है. इस तरह, आप समझदारी भरा फाइनेंशियल निर्णय लेने के साथ ही अपने हेल्थकेयर और इनसे जुड़े खर्चों को सुरक्षित करते हैं। अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि सबसे अधिक आवश्यकता होने पर आपको फाइनेंशियल सुरक्षा और क्वालिटी हेल्थकेयर तक एक्सेस मिले. सूचित विकल्प चुनकर, आप खुद को और अपने परिवार को अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों और जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित करते हैं। सही सम इंश्योर्ड के साथ, आप लागत की चिंता किए बिना अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आखिर में, यह मन की शांति, कॉमप्रिहेंसिव कवरेज और फाइनेंशियल स्थिरता प्रदान करता है।

*(लेखक हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के हेड हैं।)*

## खबर संक्षेप

### हनुमान जयंती पर भंडारे का आयोजन 12 को

**कनीना।** 132 केवी पावर सब स्टेशन में आगामी 12 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बिजली निगम कर्मचारियों की ओर से आयोजित इस भंडारे को लेकर बैठक आयोजित की गई। बिजली निगम के जेई राम रतन शर्मा ने बताया कि समारोह की तैयारी शुरू कर दी गई है।

### कम आय दर्ज कराने वालों की वेरिफिकेशन शुरू

**रेवाड़ी।** जिला प्रशासन ने परिवार पहचान पत्र यानि पीपीपी में गलत तरीके से आय दर्ज करने वाले परिवारों की आय वेरिफिकेशन उपरांत सुधार प्रक्रिया शुरू कर दी है। कार्यवाहक डीसी अनुपमा अंजलि ने बताया कि जिले में उन नागरिकों की आय की जांच की जा रही है, जिन्होंने अपनी आय को गलत रूप से कम दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि जिले में परिवार पहचान पत्रों में घोषित आय का भौतिक सत्यापन कार्य किया जा रहा है। प्रशासन की टीमें परिवारों के सभी आय स्रोतों का मूल्यांकन कर रही है। कार्यवाहक डीसी अनुपमा अंजलि ने बताया कि कुछ परिवारों ने गलत तरीके से अपनी वार्षिक आय को कम दिखाकर बीपीएल श्रेणी में अपना नाम दर्ज कराया है। ऐसे परिवारों को चेतावनी दी गई है कि वे स्वयं 20 अप्रैल तक इस श्रेणी से बाहर हो जाएं।

### टेलीग्राम फ्रॉड के मामले में दो आरोपितों गिरफ्तार

**नारनौल।** टेलीग्राम टास्क फ्रॉड पर पांच लाख तीस हजार रुपये की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर टीम ने दो आरोपित हेमराज वासी अजीतपुरा डेहरा जयपुर व सूरज वासी झांझडो की ढाणी डेहरा जयपुर को गिरफ्तार किया है।

## जिले में गरिमामयी ढंग से होगा साइकिल यात्रा का स्वागत: डीसी अनुपमा अंजलि

# नशा मुक्त का संदेश लेकर साइक्लोथॉन 2 रवाना, 8 को करेगी रेवाड़ी में प्रवेश

आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी के लिए विभिन्न प्रचार सामग्री से प्रेरित किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अनुपमा अंजलि

अंजलि ने कहा कि साइक्लोथॉन-2.0 के जिले में प्रवेश करने पर जिला प्रशासन, जिलावासियों व सामाजिक संगठनों की ओर से भव्य स्वागत किया जाएगा। साइक्लोथॉन अगले दिन 9 अप्रैल को जिले से प्रस्थान करेगी। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन के आगमन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां कर ली गई हैं। आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी के लिए विभिन्न प्रचार सामग्री से जिलावासियों को साइक्लोथॉन में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया

हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला में हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को हिसार जिले से साइक्लोथॉन-2.0 को हम सबका सांझा सपना-नशा मुक्त हो हरियाणा अपना- टैगलाइन के साथ प्रदेश के अन्य जिलों के लिए रवाना किया। यह साइकिल यात्रा रेवाड़ी जिले 8 अप्रैल को पहुंचेगी। कार्यवाहक डीसी अनुपमा

### यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक पर करें क्लिक

कार्यवाहक डीसी ने बताया कि साइक्लोथॉन-2.0 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जारी है, जिस पर कोई भी व्यक्ति रजिस्ट्रेशन कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है। उन्होंने जिले की ग्राम पंचायतों, कॉलेज, स्कूल, एनजीओ, विभिन्न एसोसिएशन व नशा मुक्ति केंद्र आदि से ड्रग फ्री हरियाणा मुहिम में शामिल होते हुए इस यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन अनुरूप साइक्लोथॉन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी मिलेगा। उन्होंने बताया 8 अप्रैल को साइकिल यात्रा का रात्रि विश्राम रेवाड़ी में ही रहेगा तथा 9 अप्रैल को सुबह 6 बजे राव तुलाराम स्टेडियम से तावडू उपमंडल के लिए रवाना होगी।

### भालखी माजरा से होगा जिले में प्रवेश

कार्यवाहक डीसी अंजलि ने बताया कि साइक्लोथॉन-2.0 8 अप्रैल को महेंद्रगढ़ जिले से रेवाड़ी जिलेकी सीमा में गांव भालखी माजरा के रास्ते प्रवेश करेगी। उन्होंने बताया कि जिले में साइक्लोथॉन का जगह-जगह स्वागत एवं उत्साहवर्धन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि साइक्लोथॉन-2.0 के तहत जिले से एक ऐसे साइकिल चालक का चयन किया जाएगा, जिसने शुरूआती प्वाइंट से लेकर अंतिम प्वाइंट तक पूरी दूरी तय की हो। यदि ऐसे एक से अधिक चालक होंगे तो लक्की ड्रा के माध्यम से ऐसे साइक्लिस्ट का चयन किया जाएगा, विजेता को जिला प्रशासन की ओर से उपहार स्वरूप साइकिल भेंट की जाएगी।

## मेडिकल स्टोर संचालक से हफ्ता नहीं देने पर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

■ हफ्ता नहीं देने पर दुकान को आग लगाने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना कसोला पुलिस ने गत वर्ष 24 अक्टूबर को गढ़ी बोलनी रोड पर मेडिकल स्टोर संचालक से हफ्ता वसूली की मांग को लेकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उससे पूछताछ करते हुए दूसरे साथियों का पता लगाने के प्रयास कर रही है। गत वर्ष 24 अक्टूबर को कसोला पुलिस को दर्ज शिकायत में सांपली निवासी धर्मेंद्र ने बताया था कि उसने गढ़ी बोलनी रोड पर एक सोसायटी के पास मेडिकल स्टोर किया हुआ है। सुबह के समय उसके मेडिकल स्टोर पर शहबाजपुर खालसा निवासी दीपक, अमित व पांच-सात अन्य युवक उसके पास आए। यह लोग पहले भी उससे हफ्ता देने की मांग कर चुके थे। इन लोगों ने उसे धमकी दी कि अगर मेडिकल स्टोर चलाना है, तो उन्हें 10 हजार रुपये हफ्ता देना होगा। उसने आरोप लगाया था कि हफ्ता देने से मना करने पर इन लोगों ने दुकान में घुसकर मारपीट करना शुरू कर दिया। उस पर व उसके भाई नरेश पर हमला कर दिया। उससे 1500 रुपये छीन लिए। हफ्ता नहीं देने पर दुकान को आग लगाने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी दीपक को गिरफ्तार कर लिया।

## हिंदी प्राध्यापक की प्राचार्य पद पर पदोन्नति

■ स्टाफ ने सम्मान कर दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा में हिंदी प्राध्यापक हरपाल सिंह की प्राचार्य पद पर पदोन्नति होने पर स्टाफ की ओर से विदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य सत्यवीर नाहड़िया की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में नव प्रवेशी विद्यार्थियों का भी स्वागत किया गया। स्टाफ सचिव यशपाल आर्य ने बताया कि पदोन्नति के बाद उन्होंने संगवाड़ी स्कूल में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। प्राचार्य एवं स्टाफ सदस्यों ने हरपाल सिंह को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय में नया प्रवेश लेने वाले सीहा, मसीत, बुड़ैली, लुहाना व धवाना के करीब तीन दर्जन से अधिक विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। नव पदोन्नत प्राचार्य हरपाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रेवाड़ी। सीहा स्कूल में हरपाल सिंह को स्मृति चिंह भेंट करते स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

## फसलों की लावणी करते समय बिजली की हाई वोल्टेज तारों से रखें सावधानी: एक्सईएन

हरिभूमि न्यूज. कोसली

बिजली वितरण निगम के कार्यकारी अभियंता विजयपाल यादव ने कहा कि फसलों की चल रही लावणी के सीजन में बिजली की हाई वोल्टेज तारों से अतिरिक्त सावधानी रखने की आवश्यकता है। किसान अपना थ्रेशर या तूड़ा भरने के लिए ट्रैक्टर-ट्राली बिजली लाइन से दूर रखें, अन्यथा कोई भी दुर्घटना हो सकती है। एक्सईएन ने कहा कि लावणी के समय रुक-रुक कर कभी आंधी तो कभी तेज हवाएं चलती रहती हैं, जिससे हाई-वोल्टेज तारें झूलती हुई

एक्सईएन विजयपाल यादव।

■ थ्रेशर या तूड़ा भरने के लिए ट्रैक्टर-ट्राली बिजली लाइन से दूर रखें लग सकती है आग

आपस में टकरा जाती हैं और उनमें से तेज चिंगारियां निकलने लगती हैं। ये चिंगारी आग लगने का कारण बन सकती हैं। यदि आसपास सूखी फसल या तूड़े का ढेर हुआ तो आग लग सकती है। अक्सर लोग ऐसे समय लापरवाही बरतते हैं। बिजली की तारों का ध्यान नहीं रखा जाता और जरा-सी अनदेखी अनहोनी में बदल जाती है।

उन्होंने कहा कि खेत में ट्रांसफार्मर रखा है तो फसल कटाई के समय सबसे पहले वहां चारों ओर दस फुट एरिया में सफाई कर लें, जिससे कि ट्रांसफार्मर की वजह से पूरी फसल को आग न पकड़े। बिजली उपकरणों के समीप सफाई कराने के लिए ग्रामवासी बिजली विभाग के कर्मचारियों की भी मदद भी ले सकते हैं।

## एनसीबी यूनिट ने युवाओं व ड्राइवरों को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा स्टेट नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो जिला यूनिट की ओर से शनिवार को गांव हांसाका और नाईवाली चौक स्थित राव तुलाराम पार्क में लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया। हरियाणा राज्य नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख ओपी सिंह के मार्गदर्शन, एसपी पंखुड़ी कुमार के नेतृत्व और डीएसपी गजेंद्र शर्मा की देखरेख में पूरे हरियाणा में नशा तस्करों की धर-

रेवाड़ी। लोगों को जागरूक करते हुए एनसीबी के अधिकारी।

पकड़ साथ समाज को नशे के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यूनिट के इंचार्ज उप निरीक्षक बलवंत सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी नशे के प्रति सबसे समाज की सबसे सवेदनशील कड़ी है। उन्होंने युवाओं और गांव के मौजिज व्यक्तियों को नशे के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने का संदेश दिया। राव तुलाराम पार्क में टैक्सी ड्राइवरों, युवाओं व मजदूरों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया।

उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि अगर कहीं पर भी नशीले पदार्थों की बिक्री दिखाई दें तो हरियाणा एनसीबी के टॉल फ्री नंबर 90508-91508 पर सूचना दें, ताकि नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा जा सके।

## योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का 25 से

■ इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दूसरी एशियन योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन 25 अप्रैल से 27 अप्रैल तक इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में किया जाएगा। चैंपियनशिप को लेकर वर्ल्ड योगासना एव योगासना भारत के महासचिव योगाचार्य डा. जयदीप आर्य ने एशियन योगासना के अध्यक्ष संजय मालपानी तथा कोर टीम के सदस्य खेल मंत्रालय के राज्य खेल मंत्री रक्षा खड़से व

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित योगासन भारत के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव को निमंत्रण दिया गया। उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण की कार्यकारी निदेशक रितु पाठिक के साथ एशियन योगासन प्रतियोगिता की सभी व्यवस्थाओं को लेकर योजना बनाई। राज्य खेल मंत्री ने हाल ही में यूरोप महाद्वीप के नीदरलैंड में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय योगासन खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए नीदरलैंड योगासन खेल संघ की अध्यक्षा एडवोकेट परणीता देशपांडे व उनकी टीम तथा योगासना भारत की ओर से भेजे गए योगासन प्रशिक्षक डा. युद्धवीर, वंदना ददेवरा, इंदु माथुरिया व विष्णु चक्रवर्ती को बधाई दी। उन्होंने कहा की योग हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान है। इस अवसर पर वर्ल्ड योगासन के कोषाध्यक्ष विष्णु शर्मा, एशियन योगासना के कोषाध्यक्ष उमेश नारंग, योगासन भारत के कोषाध्यक्ष रचित कौशिक व एशियन योगासना के कम्पीटिशन डारेक्टर निरंजन मूर्ति उपस्थित थे।

## बाइक को मारी टक्कर दंपति की मौत, पोता गंभीर घायल

### सायं गुडियानी के समीप हादसा, शनिवार को दोनों के शवों का अंतिम संस्कार किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

शुक्रवार देर सायं गुडियानी के समीप राहगीर को टक्कर मारने के बाद असंतुलित कार बाइक में घुस गई। इस हादसे में बाइक सवार दंपति की मौत हो गई, जबकि उनका 6 साल का पोता गंभीर रूप से घायल हो गया। कोसली पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद कार चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

कंवाली निवासी सतपाल बाइक पर अपनी पत्नी शकुंतला और 6 साल के पोते विहान को बैठाकर झज्जर के पटौदा में देवी माता के दर्शन के लिए जा रहा था। उसके पीछे दूसरी बाइक पर उसका बेटा एयर फोर्स का जवान मनीष अपनी पत्नी को बैठाकर जा रहा था। जब वह अहमदपुर की ओर जा रहे थे, तो सामने से आ रही एक कार ने सड़क पर पैदल चल रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। इसके बाद कार असंतुलित हो गई। कार ने सतपाल की बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद कार एक दुकान में घुस गई। हादसे में सतपाल, शकुंतला व विहान घायल हो गए। आसपास के लोगों ने डायल-112 पर फोन किया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने सतपाल व उसकी पत्नी को मृत घोषित कर दिया, जबकि विहान को रेफर कर दिया। बच्चे को बाद में एक प्राइवेट अस्पताल में दाखिल करा दिया गया। चालक को कार को छोड़कर मौके से फरार हो गया। कोसली पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। दूसरी ओर दंपति की मौत से कंवाली गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गमगीन माहौल में शनिवार को दोनों के शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

## लूट मामले में नाबालिग अभिरक्षा में लिया

■ खिजूरी के निकट शराब ठेके से 4 लाख रुपये लूटे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

खिजूरी के निकट शराब ठेके के लगभग 4 लाख रुपये लूटने के आरोप में सीआईए धारूहेड़ा ने एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस मामले के दूसरे आरोपियों की तलाश कर रही है।धारूहेड़ा के मोहल्ला खलियावास निवासी सौरव ने पुलिस शिकायत में बताया था कि वह एक शराब ठेकेदार के पास कैश कलेक्शन का कार्य करता है। 23 मार्च को वह पिकअप गाड़ी लेकर कैश कलेक्शन करते हुए खिजूरी में शराब ठेके पर गया था। ठेके का सेल्समैन विकास गाड़ी के पास कैश लेकर आया था। बाइक पर सवार पांच युवक वहां आए। इन लोगों ने उसके व विकास के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। इसके बाद गाड़ी के शीशे तोड़कर आरोपी कैश से भरा बैग लेकर फरार हो गए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी।

जांच के बाद सीआईए धारूहेड़ा ने राजस्थान के कोटकासिम क्षेत्र से एक नाबालिग को अभिरक्षा में ले लिया। उससे पूछताछ के बाद दूसरे आरोपियों को काबू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

**कार्यक्रम** सर्वप्रथम शहीद सिद्धार्थ यादव व अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर श्रद्धांजलि दी गई

# 'सैयां भये कोतवाल' नाटक का मंचन, मैना के प्रेम में राजा का पलंग चुराने वाले कोतवाल को मिला मृत्युदंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा कला परिषद व नाट्य संस्था भरतमुनि कला केंद्र की ओर से तीन दिवसीय नाट्य उत्सव के दूसरे दिन बाल भवन में नाटक 'सैयां भये कोतवाल' का मंचन किया गया। संस्था के प्रधान मदन डागर ने मुख्य अतिथि राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता व नगरपालिका उपप्रधान मंजू कौशिक का स्वागत किया। सर्वप्रथम शहीद सिद्धार्थ यादव व अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद नाटक 'सैयां भये कोतवाल' का मंचन किया गया, जिसका निर्देशन

रेवाड़ी। नाटक में अभिनय करते हुए कलाकार। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। नाटक में अभिनय करते हुए

वरिष्ठ रंगकर्मी सतीश मस्तान ने किया तथ लेखक प्रसिद्ध साहित्यकार बसंत सबनीस है। नाटक में एक राज्य की दशा को बताया गया है, जिसमें अधिकारी भ्रष्टाचार करते हैं और राजा को धोखा देते हैं और अपनी महत्वकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अपने लोगों को राजकीय लाभ पहुंचाते हुए भ्रष्टाचार की सभी सीमाओं को पार कर देते हैं। इसी जद्दों-जहद में नाटक का नायक कोतवाल मैना से प्रेम करने लगता है और मैना उससे राजा के छपरी पलंग की मांग करती हैं। हवलदार मैना से शादी करना चाहता है तथा राजा को कोतवाल की ओर से उनके छपरी पलंग को चुराने की घटना बताता हैं, जिस पर राजा कोतवाल को मृत्युदंड देता है। हवलदार ने मैना से वादा किया था कि वो कोतवाल बनने पर ही मैना से शादी करेगा।

### राजा की भूमिका रामचरण ने निभाई

नाटक में राजा की भूमिका रामचरण, मैना की भूमिका तानिया, हवलदार की भूमिका ललित वर्मा, सिपाही की भूमिका ने संजय चौधरी, सख्या की भूमिका लक्ष्मी, प्रधान की भूमिका कशिश बत्रा तथा कोतवाल की भूमिका जय डागर व अंकुर ने निभाई। नाटक में संगीत आरती ने दिया। मंच संचालन हिंदी साहित्य के कवि सुधीर ने किया। इस अवसर पर रंगकर्मी मास्टर विजय शर्मा, लावण्या फाउंडेशन के सचिव झम्मन सिंह सैनी, रंगकर्मी मनोज शर्मा, अभिषेक सैनी, सागर सैनी, करण सैनी व संतोष इंदौर सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। संस्था की दूसरी इकाई का शुभारंभ करते प्रो. हंसराज।:

## शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में कंप्यूटर बेहद आवश्यकता: प्रो. हंसराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अहीर महाविद्यालय के निदेशक प्रो. हंसराज यादव ने ब्रास मार्केट में इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर अकाउंटिंग एंड टैक्सेशन की दूसरी इकाई का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रो. हंसराज ने कहा कि संस्था विद्यार्थियों को कंप्यूटर की आधारभूत व पेशेवर दोनों प्रकार कि शिक्षा से लाभांवित कर रही है। वर्तमान में शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में कंप्यूटर शिक्षा की बेहद आवश्यकता है। संस्था में आर्थिक रूप से पिछडे विद्यार्थियों के लिए फीस में छूट या फीस माफी का भी प्रावधान किया गया है।

**NOTICE**

I, Himanshu S/o Nityanand R/o VPO Nimoth, Sub-Tehsil Dahina, Distt. Rewari (HR) delcare that in my some documents my DOB 11.04.2004 is wrongly mentioned. My correct DOB is 04.11.2004 for all future purposes.

## खबर संक्षेप

### दुर्गाष्टमी पर कोसली के देवी मंदिर में लगा मेला

**कोसली।** कोसली के देवी माता मंदिर में नवरात्र की अष्टमी पर हजारों श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर मन्नते मांगी। गांव के देवी मंदिर में नवरात्र की अष्टमी को प्रति वर्ष मेला लगता है। नवविवाहित जोड़े विशेष रूप से देवी मां का आशीर्वाद लेने आते है। नवजात शिशुओं के केश भी देवी मां को अर्पित किए जाते हैं। अष्टमी के मेले में महिलाओं, बच्चों व पुरूषों की भारी भीड़ रही। मठ व ग्रामीणों के सहयोग से भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया तथा मठ में बाबा मुक्तेश्वरपुरी व महंत शिवपुरी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

### अहरोद मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव समारोह 12 को

**कुंड।** खंड खोल के गांव अहरोद के पहाड़ पर बने हनुमान मंदिर में 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव होंगे। पंडित नटवरलाल पुजारी ने बताया कि 9 अप्रैल को हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा व पंडित दशरथ शास्त्री की ओर से अखंड रामायण के पाठ किए जाएंगे। 11 अप्रैल को रात्रि के समय भजन कीर्तन होंगे। 12 अप्रैल को सुबह के समय 108 कलश यात्रा, हवन व भंडारे का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि गांव राधा की ढाणी निवासी मास्टर हरफूल सिंह की ओर से मूर्ति स्थापना व भंडारे का आयोजन कराया जा रहा है।

### मॉडर्न स्कूल भोजावास का वार्षिक उत्सव आज

**कनीना।** गांव भोजावास में मॉडर्न पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव छह अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। विद्यालय के एमडी राजकुमार यादव ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह होंगे। अध्यक्षता चेयरमैन अमरजीत यादव करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि बीईओ डा. विश्वेश्वर होंगे। मेधावी विद्यार्थियों सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

## आज रामनवमी पर होगी मां सिद्धिदात्री की उपासना, मंदिरों में होंगे हवन व धार्मिक अनुष्ठान

# दुर्गाष्टमी पर निकली महागौरी की भव्य शोभायात्रा श्रद्धालुओं ने कंजिकाओं से लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

चैत्र नवरात्र पर शनिवार को दुर्गाष्टमी पर शहर के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। मां दुर्गा के 8वें नवरात्रे पर श्रद्धालुओं ने मां महागौरी की पूजा-अर्चना की। शहर के बारा हजारी दुर्गा मंदिर, नई बस्ती मंसा देवी मंदिर, बड़ा तालाब मंसा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी कालीमाता मंदिर व बारा पत्थर कालीमाता मंदिर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में मां जगदंबे की अराधना की गई। शाम के समय बारा हजारी स्थित दुर्गा मंदिर समिति व श्रद्धालुओं की ओर से शहर में मां दुर्गा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान गणेश, शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण, अघोरियों व मां दुर्गा की झांकी शामिल रही। शोभायात्रा मोती चौक, गोकल गेट, रेलवे रोड, सरकुलर रोड व जीवली बाजार होते हुए वापस दुर्गा मंदिर में सम्पन्न हुई। दुर्गा मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली ने किया। इस मौके पर नवीन पोपली, पंडित हिमांशु भारद्वाज, एडवोकेट प्रवीण शर्मा व दुर्गा मंदिर के प्रधान एडवोकेट धर्मपाल नंदवानी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। गांव नाहड़ में दुर्गाष्टमी पर शनिवार को महागौरी की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर कन्या पूजन भी किया गया। गांव में कन्याओं की सुबह से ही मारामारी दिखाई दी। कन्या के न मिलने पर घरों में ही प्रसाद वितरित किया गया। ब्राह्मण वृहत सभा के पूर्व प्रधान डा. नरेश शर्मा ने कहा आजकल कन्या नहीं मिलने के कारण केवल रस्में पूरी की जा रही हैं। सरकार ने कन्या भ्रूण हत्या जैसी बुराई को रोकने के लिए लिंग जांच पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया हुआ है। उन्होंने लोगों से लड़का-लड़की में फर्क न करने का आह्वान किया। दुर्गा अष्टमी के मौके पर जिले के अनेक घरों में माता की कढ़ाई करके कन्याओं को भोजन कराकर उनका पूजन किया गया। गांव कढ़ू भवानीपुरा में नवरात्रि के आठवें दिन श्रद्धालुओं ने अपने व्रत का समापन किया। घरों में पकवान बनाकर माता की कढ़ाई की गई। कन्याओं को भोजन कराकर माता की चुनरी, नारियल व प्रसाद भी वितरित किया।

रेवाड़ी। दुर्गाष्टमी पर माता की शोभायात्रा में शामिल महिलाएं व शोभायात्रा में सजी दुर्गा माता की झांकी। फोटो :हरिभूमि

### व्रतियों ने अष्टमी पर किया कन्या पूजन

*शहर में दुर्गाष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। नवरात्र पर व्रत रखने वाले कुछ व्रतियों ने दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर कंजिकाओं को भोजन कराकर अपने व्रतों का समापन किया। कंजिकाओं की व्यवस्था करने में व्रति प्रातः से ही जुट गए थे। श्रद्धालुओं ने कन्याओं को भोजन कराकर माता की चुनरी व उपहार भेंट किए। रविवार को श्रीराम नवमी के अवसर पर शहर के मंदिरों में हवन व भंडारे का आयोजन किया जाएगा।*

### मां सिद्धि दात्री 4 भुजाओं वाली हैं

*रविवार को अंतिम नवरात्रे पर श्रद्धालु मां दुर्गा की 9वीं शक्ति सिद्धिदात्री देवी की पूरे विधि-विधान के अनुसार पूजा अर्चना करेंगे। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि मां सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्या, ईशित्व और वशित्व 8 सिद्धियां होती हैं। मां सिद्धिदात्री भक्तों को यह सभी सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। देवी पुराण के अनुसार भगवान शिव ने इनकी कृपा से ही इन सिद्धियों को प्राप्त किया था, मां की अनुकम्पा से ही भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हो गया था। इसी कारण वह लोक में अर्धनारीश्वर के नाम से प्रसिद्ध हुए। मां सिद्धि दात्री 4 भुजाओं वाली हैं, इनका वाहन सिंह है, मां कमलपुष्प पर भी आसीन होती हैं। मां के दाहिनी हाथ में चक्र, ऊपर वाले हाथ में गदा तथा बांई ओर के नीचे वाले हाथ में शंख और ऊपर वाले हाथ में कमल पुष्प है।*

रेवाड़ी। दुर्गाष्टमी पर कंजिकाओं को भोजन कराते हुए महिला व दुर्गाष्टमी पर दुर्गा मंदिर में माता की आरती करते श्रद्धालु।

## गुरूग्राम की बाइक पर दिल्ली का नंबर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

- पुलिस ने दस्तावेज मांगे तो बाइक के कागजात नहीं दिखा सका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

नंदरामपुर बास के निकट पुलिस ने गुरूग्राम से पंजीकृत बाइक पर दिल्ली का पंजीकरण नंबर मिलने के बाद चालक को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि यह बाइक गुरूग्राम से चोरी की हुई है। पुलिस ने आरोपी को बाइक के साथ काबू करने के बाद केस दर्ज कर लिया। डायल-112 की टीम नंदरामपुरा बास रोड पर नाका लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक दिल्ली नंबर की बाइक को रुकवाया गया। बाइक चालक ने अपना नाम गुरूग्राम के राजेंद्रा पार्क में रह रहे मूल रूप से यूपी के पृथ्वीपुर निवासी आलोक कुमार बताया। उससे पुलिस ने दस्तावेज मांगे तो वह बाइक के कागजात नहीं दिखा सका। चालानिंग मशीन पर बाइक के इंजन व चेसिस नंबर डालने पर पता चला कि इस बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर गुरूग्राम का है। जांच के यह बात सामने आई कि यह बाइक 7 जनवरी को चोरी हुई थी। गुरूग्राम के डीएलएफ थाने में बाइक चोरी की एफआईआर दर्ज है। डायल-122 के स्टाफ ने धारूहेड़ा पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुला लिया। पुलिस ने आरोपी को बाइक सहित काबू कर लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में बाइक चोरी का आरोपी। फोटो :हरिभूमि

### बास रोड से बाइक चोरी के मामले में दो आरोपी काबू

**रेवाड़ी।** थाना धारूहेड़ा पुलिस ने 17 फरवरी को नंदरामपुर बास से बाइक चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस शिकायत में नंदरामपुर बास निवासी सचिन यादव ने बताया था कि वह 16 फरवरी की शाम को एक लग्न समारोह में भाग लेने के लिए बाइक लेकर गया था। एक वाटिका के पास बाइक खड़ी करने के बाद वह समारोह में चला गया। वापस आने पर उसे बाइक गायब मिली। काफी पूछताछ करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के सलालपुर निवासी सफीक खान उर्फ टुल्ला व व रासीद को बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार कर लिया।

## इनसो ने की एलएलएम का कोर्स शुरू करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जननायक जनता पार्टी की स्टूडेंट विंग इनसो की ओर से इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर के रजिस्ट्रार दिलबाग सिंह को ज्ञापन सौपा। इनसो प्रदेश प्रभारी रवि मसीत ने कहा कि यूनिवर्सिटी में बहुत सी सुविधाओं की जरूरत है। उन्होंने कई वर्षो से बंद पड़े एलएलएम के कोर्स को दोबारा शुरू करने की मांग की।

इसके अलावा यूनिवर्सिटी में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, प्लेसमेंट सुविधा देन व बसों की टाइमिंग में सुधार सहित स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की भी मांग की। रवि मसीत ने कहा कि अगर जल्द ही यह मांगे नहीं मानी जाती है तो इनसो यूनिवर्सिटी कैंपस में तालाबंदी करेगी और आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर आशीष, साहिल और कपिल उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कुलसचिव को ज्ञापन देते हुए रवि मसीत। फोटो :हरिभूमि

### भटसाना में बाबा बिशनदास का मेला 11 को

**रेवाड़ी।** आगामी 11 अप्रैल को गांव भटसाना में बाबा बिशनदास महाराज के मेले का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार व विशिष्ट अतिथि सतीश बोहरा धारूहेड़ा, इंस्पेक्टर धर्मसिंह यादव वजीराबाद, डा. अभिमन्यु यादव ततारपुर खालसा व निरंजन यादव होंगे। मेला कमेटी के प्रधान कृष्ण नंबरदार ने बताया कि 10 अप्रैल रात्रि के समय बाबा बिशनदास के पावन धाम पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा तथा इस हवन व भंडारे का आयोजन भी होगा। मेले में कुश्ती दंगल में दूर-दूराज क्षेत्रों से पहलवान अपना जौहर दिखाएंगे जिसमें पहला इनाम 31000, दूसरा 21000 तथा तृतीय इनाम 11000 रुपये रहेगा।

## नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद और 30 हजार रुपये जुर्माना

- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में साक्ष्य प्रस्तुत किए और गवाहों के बयान भी दर्ज कराए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नाबालिग से घर में घुसकर दुष्कर्म करने के मामले में लोकेश गुप्ता अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने आरोपी अंकुर उर्फ अंकित निवासी गांव मांदी जिला महेंद्रगढ़ को दोषी करार देते हुए 20 साल कैद व 30 हजार रुपये के जुर्माना की सजा सुनाई है। खोल थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपनी शिकायत में बताया था कि 18 सितंबर 2022 को वह घर से कहीं बाहर गई हुई थी और उसकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी घर अकेली थी। शाम करीब 5:30 बजे जब वह वापस घर पर लौटी तो उसकी बेटी बेसुध हालत में थी। वह उसे नजदीकी प्राइवेट हॉस्पिटल में लेकर गई, जहां से उसे सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। सरकारी अस्पताल में पहुंचने के बाद पता लगा कि उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म हुआ है। तबीयत ठीक होने पर उनकी बेटी ने बताया कि जब वह घर पर अकेली थी, तो अंकुर उर्फ अंकित घर पर आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना खोल में पोक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने जांच के बाद अदालत में चार्जशीट दायर की थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में साक्ष्य प्रस्तुत किए और गवाहों के बयान भी दर्ज कराए। साक्ष्यों और सभी पहलुओं पर सुनवाई के बाद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के एएसजे लोकेश गुप्ता ने आरोपी युवक को दोषी करार दिया। अदालत ने दोषी को 20 साल कैद और 30 हजार रुपए जुर्माने की सजा दी है। जुर्माना नहीं भरने पर दोषी को दो साल की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी।

रेवाड़ी। जिला सचिवालय के पास स्थित कोर्ट परिसर। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

### विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण पर बनाई पेंटिंग

**बावल।** नंगली परसापुर रोड स्थित सरवन इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को धरती बचाओ विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अतुल कुमार ने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करना है। प्रधानाचार्य ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस मौके पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 1500/- रु. 2000/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

## रेवाड़ी व कोसली अनाजमंडी में लगे गेहूं व सरसों के अंबार, बावल मंडी में गेहूं की आवक नहीं

# रेवाड़ी अनाजमंडी में शनिवार को 7150 क्विंटल सरसों व कोसली अनाजमंडी में 9000 क्विंटल सरसों व 15460 क्विंटल गेहूं की खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/बावल/कोसली

रेवाड़ी व कोसली अनाजमंडी में सरसों व गेहूं की भारी आवक हो रही है। कोसली अनाजमंडी में सरसों व गेहूं के अंबार लगने शुरू हो गए है। वही सरसों के ओपन भाव में भी उछाल आ रहा है। शनिवार को रेवाड़ी अनाजमंडी में फूड एंड सप्लाई विभाग की ओर से देर रात तक गेहूं की सरकारी खरीद जारी रही। बावल अनाजमंडी में शनिवार को भी गेहूं की आवक शुरू नहीं हो पाई। कोसली अनाजमंडी में शनिवार को हैफेड की ओर से 263 किसानों से 15460 क्विंटल गेहूं खरीदा गया। वही रेवाड़ी अनाजमंडी में हैफेड की ओर से 358 किसानों से 7150 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। खरीदा गया। रेवाड़ी अनाजमंडी में हैफेड की ओर से अब तक 113487 क्विंटल सरसों की खरीद की जा चुकी है। बावल अनाजमंडी में वेयर हाउस कारपोरेशन की ओर से शनिवार को 104 किसानों से 2632 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। वेयरहाउस से परचेजर सुरेन्द्र ने बताया कि अब तक 27077 क्विंटल सरसों खरीदी जा चुकी है तथा 40000 कट्टों का उठान भी किया जा चुका है।

कोसली अनाजमंडी में बना सरसों का पहाड़ व कोसली अनाजमंडी में लगा गेहूं का अंबार।

### कोसली मंडी में गेहूं व सरसों की भारी आवक

*कोसली अनाज मंडी में सरसों व गेहूं की भारी आवक हो रही है। हैफेड के प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि शनिवार तक 27341 क्विंटल गेहूं की खरीद हो चुकी है। मार्केट कमेटी के सचिव नरेंद्र सिंह ने बताया कि मार्केट कमेटी ने अब तक 69167 क्विंटल गेहूं के 1157 गेट पास जारी किए हैं। मंडी में 198863 क्विंटल सरसों के लिए 9151 गेटपास जारी किए गए। अब तक 128960 क्विंटल सरसों की खरीद हो चुकी है। खरीद अधिकारी जगदीश बांगड़ ने बताया कि शनिवार कोशाम तक 9000 क्विंटल सरसों की खरीद की जा चुकी है तथा दो लाख 12 हजार कट्टों का उठान भी हो चुका है।*

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 6 अप्रैल 2025


बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

# श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

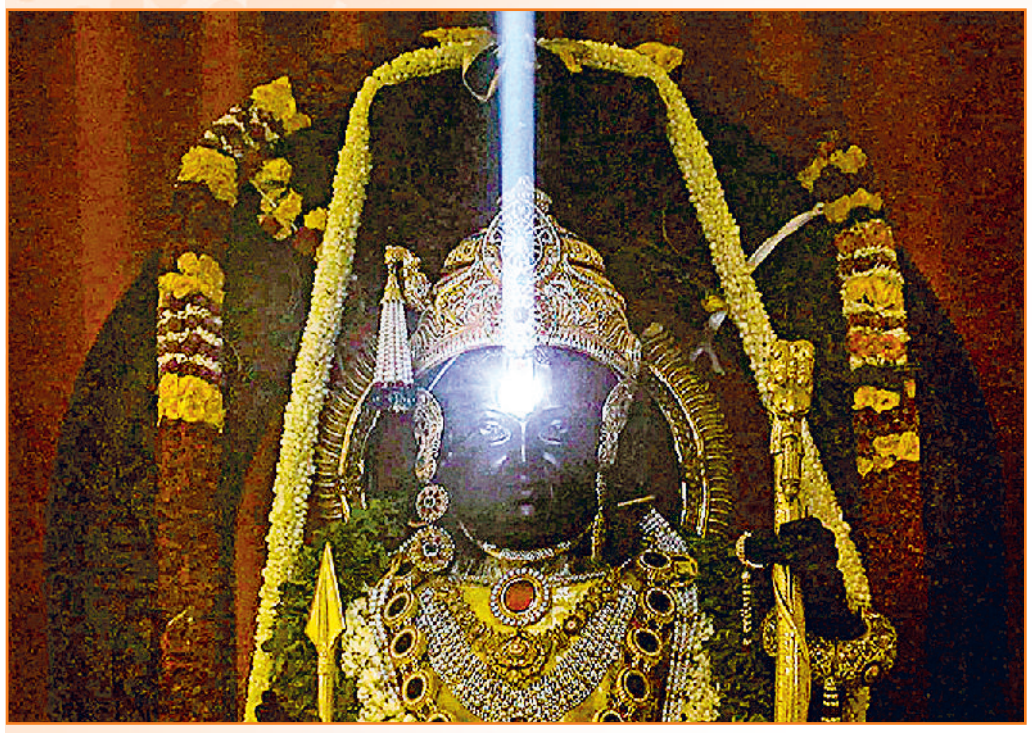

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

## कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

## पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

## अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

## ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

## होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

## और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

### दुनिया में और कहां होता है ऐसा

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

रामनवमी विशेष

# राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य
शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

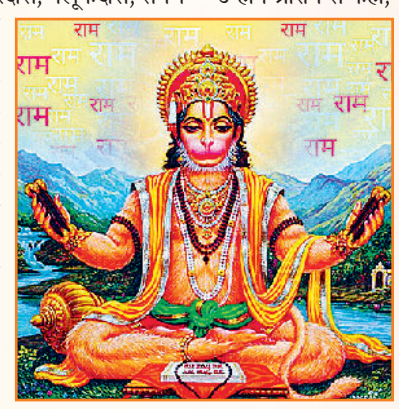

## शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

## स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

## पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

## दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

### अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

**बनारस की** पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

# गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी करने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
ठेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

# कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य
संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

**रचनाएं आमंत्रित...**

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

विशेषः हनुमान जन्मोत्सव, 12 अप्रैल

धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन

वैसे तो रामभक्त हनुमानजी के अनेक मंदिर अपने देश में स्थित हैं। अपने देश के अलावा विदेशों में भी हनुमानजी के कई प्रतिष्ठित और अनूठे मंदिर हैं। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हम आपको देश-विदेश के कुछ अनूठे हनुमान मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

## देश-विदेश में स्थित
# हनुमान जी के अनूठे मंदिर

### दत्तात्रेय मंदिर प्रांगण, त्रिनिडाड-टोबैगो

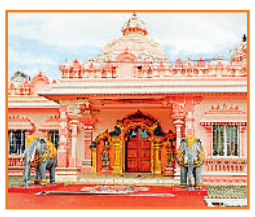

**त्रिनिडाड-टोबैगो** देश के कारापीचैमा/करापीचाइमा नामक स्थान में स्थित दत्तात्रेय मंदिर 9 जून 2003 को खोला गया था। इस मंदिर में हनुमान जी की 85 फीट ऊंची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। साथ ही मूर्ति के आधार स्थल पर एक छोटा हनुमान मंदिर, दत्तात्रेय और अनघा देवी की प्रतिमाएं, राज राजेश्वरी, गणपति की प्रतिमा और शिव लिंग की भी स्थापना की गई है। भारत के बाहर मौजूद हनुमान जी की यह सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। दक्षिण भारत की द्रविड़ वास्तुकला शैली में इस हनुमान प्रतिमा का निर्माण किया गया है। मुख्य मंदिर में प्रवेश करने से पहले भक्तों के पैर धोने के लिए कंक्रीट से निर्मित हाथी की दो विशाल प्रतिमाओं से पानी उपलब्ध कराया जाता है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गुंबद है, जिसमें सात अलग-अलग रंगों में विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्र बजाते हुए संगीतकारों की प्रतिमाएं मौजूद हैं। *

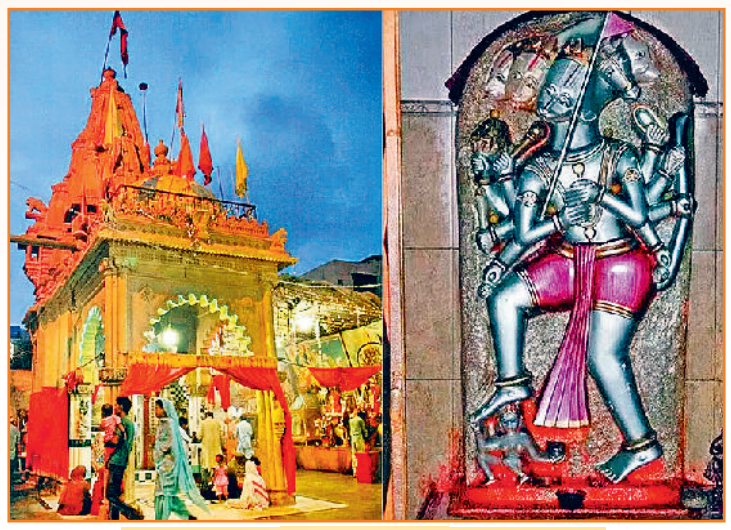

### पंचमुखी हनुमान मंदिर, पाकिस्तान

**आपको जानकर** अचरज हो सकता है कि पाकिस्तान के कराची में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर दुनिया के सबसे पुराने हनुमान मंदिरों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि यह मंदिर लगभग 1500 साल पुराना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम उस स्थान पर आए थे, जहां यह मंदिर बना हुआ है। सदियों पहले खुदाई में यहां हनुमान जी की मूर्ति मिली थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां यह मूर्ति दैवीय शक्ति से प्रकट हुई थी। इसलिए यहां भव्य मंदिर बना दिया गया। साल 2019 में यहां हनुमान जी की 9 अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में जिज्ञासा और आस्था बढ़ती ही जा रही है। पंचमुखी हनुमान मंदिर को पाकिस्तान में राष्ट्रीय विरासत का दर्जा भी मिला हुआ है। *

### श्री आंजनेय मंदिर, मलेशिया

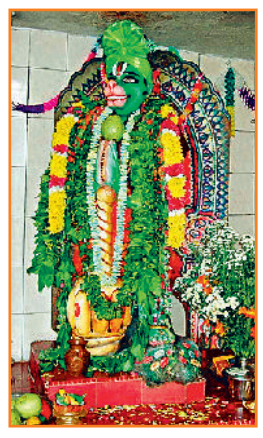

**यह मंदिर** मलेशिया के पोर्ट डिक्सन में स्थित है। अपने साथ जुड़ी रहस्यमयी कहानियों के कारण आंजनेय मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में रखी हनुमान प्रतिमा ने खुद ही अपना चेहरा रामेश्वरम मंदिर (भारत देश में स्थित) की ओर मोड़ लिया था। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1996 में एक विदेशी फोटोग्राफर आंजनेय मंदिर की तस्वीरें क्लिक कर रहा था। जब वह कुछ और तस्वीरें क्लिक करने के लिए वापस लौटा तो उसने हनुमान जी की मूर्ति के शीष की दिशा में बदलाव देखा। यह देखकर वह अचरज में पड़ गया। उसने वहां उपस्थित लोगों से यह बात कही और तस्वीरें दिखाईं, तो सभी लोग इस चमत्कार से दंग रह गए। ध्यातव्य है कि रामेश्वरम भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इनकी स्थापना भगवान श्रीराम के द्वारा की गई मानी जाती है। *

### जाखू मंदिर, हिमाचल प्रदेश

**हिमाचल प्रदेश** के जाखू में 8100 फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह अत्यंत प्राचीन और जाग्रत हनुमान मंदिर, रामायण काल का बताया जाता है। इस मंदिर में 108 फीट ऊंची हनुमानजी की मूर्ति है। इस मंदिर और हनुमानजी की यह विशेष प्रतिमा देखने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि रावण के साथ युद्ध के दौरान जब लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए थे और हनुमानजी उनके लिए संजीवनी बूटी लेने जा रहे थे, तभी उनकी नजर यहां तप कर रहे एक यक्ष ऋषि पर पड़ी। हनुमानजी जरा क्लांत और संशय में थे। संजीवनी बूटी की सही जानकारी हासिल करने के लिए वे यहां कुछ समय के लिए ठहरे थे। यक्ष ऋषि के नाम पर ही अपभ्रंश होता हुआ, इस मंदिर का नाम जाखू मंदिर पड़ गया। *

### बाला हनुमान मंदिर, गुजरात

**बाला हनुमान** मंदिर, जिसे श्री बालहनुमान संकीर्तन मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के जामनगर में रणमल झील (लखोटा झील) के दक्षिण पूर्व में स्थित है। इस मंदिर में भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी और हनुमानजी की मूर्तियां हैं। 1 अगस्त, 1964 से मंदिर परिसर में दिन-रात राम धुन 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का जाप होता रहता है। इस चौबीसों घंटे चलने वाले अनुष्ठान को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। स्थानीय लोगों की मंदिर में गहरी आस्था है और उनका मानना है कि यह मंदिर उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और जीवन के अन्य संकटों से बचाता है। *

भगवान श्रीराम का अवतारी जीवन हमें मर्यादा, आदर्श और नीति का पाठ तो पढ़ाता ही है। इसके साथ ही साथ कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े आज के दौर के युवा भी श्रीराम से सात ऐसे गुण सीख सकते हैं, जो उन्हें मनचाही सफलता दिला सकते हैं।

## भगवान राम से सीखें
# कॉर्पोरेट सफलता के सूत्र

प्रेरणा

लोकमित्र गौतम

भगवान राम न सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम और नैतिक मूल्यों के प्रतीक हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व में प्रबंधन के ऐसे गुण भी मौजूद हैं, जिन्हें सीखकर कोई भी युवा कॉर्पोरेट क्षेत्र में शानदार सफलता हासिल कर सकता है। ऐसे सात सूत्रों के बारे में हर युवा को जानना चाहिए।

**नेतृत्व का गुणः** भगवान राम न सिर्फ शक्तिवान हैं बल्कि वह एक समर्थ सेनापति और टीम लीडर भी हैं। राम-रावण युद्ध के नजरिए से देखें तो रावण के पास अपार सेना और युद्ध के सारे संसाधन थे, लेकिन जिस तरह भगवान राम अपनी थोड़ी सी भालू, बंदरों की सेना को उच्चस्तरीय प्रबंधन करते हुए रावण की विशाल सेना को हरा देते हैं, उनमें नेतृत्व क्षमता को साबित करता है। कॉर्पोरेट जगत में युवा अपनी टीम को स्पष्ट दृष्टि देने के लिए भगवान राम से यह गुण सीख सकते हैं। किस तरह अपनी टीम को प्रेरित किया जाए और कैसी विस्तृत रणनीति से सफलता सौ फीसदी हासिल की जाए?

**कार्य विभाजनः** रावण से युद्ध के पहले श्रीराम जानते थे कि उनके पास छोटी-सी सेना है। इसलिए उन्होंने सैनिकों में इस तरह काम का विभाजन किया कि सफलता हासिल हो। उन्होंने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और विभीषण को उनकी क्षमता के मुताबिक जिम्मेदारियां सौंपीं। कॉर्पोरेट टीम लीडरशिप के लिए अपने साथियों की अधिकतम क्षमताओं का प्रयोग करने के लिए कार्य विभाजन हर हाल में आना चाहिए।

**रणनीति प्रबंधनः** कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के लिए मजबूत नेटवर्किंग और सही साझेदारों की पहचान बहुत जरूरी होती है। आज के युवा सफलता का यह जरूरी गुण भगवान राम से सीख सकते हैं। भगवान राम ने हमेशा सही लोगों से मजबूत और विश्वसनीय संबंध बनाए। उन्होंने रावण से युद्ध के लिए सुग्रीव, हनुमान और विभीषण जैसे सहयोगियों की न केवल मदद ली बल्कि उस मदद को अधिकतम उपयोगी बनाने के लिए सटीक तौर पर रणनीतिक प्रबंधन का सहारा लिया।

**धैर्य और आत्मविश्वासः** जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, सफलता के लिए धैर्य और आत्मविश्वास जरूरी है। खासकर जो आज के युवा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, उन्हें जिस तरह की बाजार प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है, उसमें धैर्य और आत्मविश्वास की महती जरूरत होती है। जिस तरह भगवान राम ने कभी भी धैर्य और आत्मविश्वास का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने जीवन में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया। हर कदम को उठाने के पहले धैर्य से काम लिया। लंका पर भी आनन-फानन में हमला नहीं किया। रावण के हर कदम को अच्छी तरह से समझने के बाद ही उन्होंने युद्ध का ऐलान किया। आज के स्टार्टअप्स कल्चर में भी धैर्य और आत्मविश्वास की बहुत जरूरत पड़ती है।

**अनुशासनः** अनुशासन एक ऐसा गुण है, जो करियर में सफलता की चाह रखने वाले युवाओं में अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जैसे भगवान राम ने 14 साल के वनवास को पूरे अनुशासन के साथ पूरा किया। युवाओं को भी भगवान राम की तरह ही अपने कर्म के प्रति अनुशासित रहना चाहिए।

**समस्या समाधान की क्षमताः** कोई भी कॉर्पोरेट दिग्गज अपने फील्ड में तभी सफलता हासिल कर पाता है, जब उसके पास यूनिक आइडियाज और स्मार्ट प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल हो। युवा, भगवान राम से इनोवेशन की महत्ता और समस्या के समाधान की विशिष्टता सीख सकते हैं।

**नैतिकता और ईमानदारीः** जमाना कोई भी हो, क्षेत्र कोई भी हो, बिना नैतिकता और ईमानदारी के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता के लिए युवाओं को इस मामले में भी भगवान राम से एक बड़ी सीख मिलती है, वह यह कि सफलता के लिए कभी भी अनैतिक और गैरईमानदार नहीं होना चाहिए। भगवान राम ने सदैव धर्म का पालन किया, ईमानदारी का मार्ग अपनाया इसलिए कभी भी वह सफलता से वंचित नहीं रहे। *

आप अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को मेंटेन करने के लिए तो कई एफर्ट करते हैं। लेकिन क्या अपनी सोशल हेल्थ पर भी पूरा ध्यान देते हैं? कैसे रहें सोशली हेल्दी, जानिए।

## इन रूल्स को करें फॉलो
# आप रहेंगे सोशली हेल्दी

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

बहुत कम लोगों को पता है कि तन और मन के स्वास्थ्य के लिए सामाजिक, पारिवारिक रिश्ते और संपर्क बनाए रखना जरूरी होता है। ऐसा न करने से लोग हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

**क्या है सोशल हेल्थः** हमारा सोशल सर्किल कैसा है, हमें मुसीबत में देखकर कितने लोग मदद का हाथ बढ़ाते हैं, दुःख-सुख में हमारे पास बैठकर बातें करने वाले कितने लोग हमारे संपर्क में हैं, हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों के साथ बॉन्डिंग कैसी है? यह सब निर्भर करता है, हमारी सोशल हेल्थ पर। सामाजिक स्वास्थ्य को दूसरों के साथ बातचीत करने और रिलेशन बनाने की क्षमता के रूप में डिफाइन किया जा सकता है।

**सोशल हेल्थ का महत्वः** सोशल हेल्थ का अच्छा स्तर बनाए रखने से आप दूसरों के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। इन रिश्तों में दोस्ती, पारिवारिक और प्रोफेशनल रिश्ते शामिल हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वीक सोशल हेल्थ वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा 32%, मेंटल प्रॉब्लम्स का खतरा 50% और समय से पहले मृत्यु का खतरा 29% बढ़ जाता है। बीते कुछ सालों में विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि सामाजिक संबंधों की गुणवत्ता और इनके लेवल दोनों का हमारे जीवन पर टेंपररी और परमानेंट प्रभाव पड़ता है।

**सोशली हेल्दी होने के लक्षणः** अगर आप मधुर, प्रभावी ढंग से बातचीत करते हैं, अपने सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित रखते हैं, वर्क प्लेस, सोसाइटी और अपने परिवार में लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, सामाजिक परिस्थितियों में खुद को इंवॉल्व कर लेते हैं, दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, मित्रता और सोशल नेटवर्क विकसित करने और बनाए रखने में सक्षम हैं तो इसका अर्थ होगा कि आप सोशली हेल्दी हैं।

**ऐसे रहेंगे सोशली हेल्दीः** सोशली हेल्दी रहने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

- टॉक्सिक रिलेशंस से बचें क्योंकि कोई रिलेशन जब टॉक्सिक हो जाता है तो वह कभी भी आपकी आर्थिक, मानसिक या शारीरिक सेहत के लिए सही नहीं होगा।
- अपना सोशल नेटवर्क बढ़ाने, लोगों के साथ बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए धार्मिक और सामाजिक समूह का हिस्सा बन सकते हैं। इससे आप लोगों से जुड़ते हैं। ये संबंध आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।
- अपने रिश्तों को पोषित करने के लिए, दोस्ती को बनाए रखने के लिए हमेशा प्रयास करते रहें। यह आपके सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। रिश्ते को मधुर बनाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास की जरूरत होती है।

- अच्छी सोशल हेल्थ के लिए दूसरों में कमियां न निकालें, उनकी आलोचना न करें। एक समझदार व्यक्ति की तरह स्वीकार करें कि हर किसी को अपना जीवन अपने मन से अलग तरीके से जीने का अधिकार है। आपको यह भी मानना चाहिए कि आप हमेशा सही नहीं होते, इसलिए ऐसा व्यवहार न करें जैसे आप ही सही हैं।
- किसी से कोई मतभेद हो या समस्या हो तो बिना क्रोध या दोषारोपण के किसी समस्या के बारे में बात करें। यह सम्मानजनक संबंध बनाए रखने में मदद करता है, जो आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देता है।
- दुनिया में हर कोई महत्वपूर्ण महसूस करना चाहता है। इसलिए अपने मित्रों, सहयोगियों और परिवार के सदस्यों की सराहना करने में कंजूसी न करें। इससे आपका सामाजिक स्वास्थ्य मजबूत होगा।
- हर कोई चाहता है कि उसकी बात ध्यान से सुनी जाए। इसलिए किसी को इग्नोर न करें, ध्यान से दूसरों की बातों को सुनें। उचित हो तभी प्रतिक्रिया दें। इन बातों का ध्यान रखने से आपकी सोशल हेल्थ अच्छी रहेगी। *

(मनोविज्ञानी डॉ. रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

खास मुलाकात

आरती सक्सेना

ईद के मौके पर दर्शकों को सलमान खान की नई फिल्म का इंतजार रहता है। इस बार भी उन्होंने अपने फैंस को निराश नहीं किया। दर्शकों को ईद का तोहफा फिल्म 'सिकंदर' के रूप में मिला। एक खास मुलाकात में इस फिल्म के एक्सपीरियंस, इसके बिजनेस को लेकर सलमान खान ने खुलकर बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश।

# बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा नहीं सोचता : सलमान खान

सलमान खान बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टरों में से एक हैं, जो लगभग साढ़े तीन दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। बीते 30 मार्च को ईद के अवसर पर उनकी नई फिल्म 'सिकंदर' रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके अपोजिट हैं, साउथ की स्टार 'नेशनल क्रश' कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना। फिल्म को डायरेक्ट किया है फिल्म 'गजनी' फेम डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस ने। फिल्म 'सिकंदर' को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें, तो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है और अभी भी दर्शकों में इसे देखने को लेकर क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म से जुड़े कुछ सवालों के जवाब सलमान खान ने दिए इस बातचीत में।

**आपकी फिल्म 'सिकंदर' हाल में ईद पर रिलीज हुई है। इससे पहले भी आपकी कई फिल्में ईद के मौके पर रिलीज होती रही हैं। ईद पर ही फिल्म रिलीज करने की कोई खास वजह?**

ईद पर फिल्म रिलीज करने के पीछे एक वजह तो यह है कि इस दिन लोगों की छुट्टी होती है और दर्शक थिएटर तक फिल्म देखने आ सकते हैं। दूसरी वजह है कि त्योहार का खुशनुमा माहौल और पॉजिटिव वाइब्स फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होती हैं। मुझे त्योहार मनाना अच्छा लगता है फिर चाहे वह ईद हो या दिवाली। इसी दौरान अगर मेरी फिल्म रिलीज होती है तो और अच्छा लगता है।

फिल्म 'सिकंदर' के एक सीन में सलमान खान

**फिल्म के डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?**

बहुत ही अच्छा! उनका काम करने का तरीका बहुत यूनिक है। मैं उनके काम से बहुत प्रभावित हूं। फिल्म देखकर आपको पता चलेगा कि 'सिकंदर' के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है। इससे पहले भी उन्होंने जो फिल्में बनाई हैं, उसमें उनका काम बोलता है। फिर चाहे वह आमिर खान की फिल्म 'गजनी' हो या उनकी डायरेक्टेड साउथ की फिल्में हों।

**'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना के साथ रोमांटिक जोड़ी बनाने को लेकर, उम्र के फर्क को लेकर आप पर बहुत कमेंट किए गए। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?**

हां, मैंने भी लोगों से सुना है कि रश्मिका मुझसे आधी उम्र की है, मुझे उसके साथ जोड़ी नहीं बनानी चाहिए थी, हमारी जोड़ी उम्र के गैप की वजह से सही नहीं लग रही है। ऐसे लोगों के लिए मैं यही कहना चाहूंगा कि जब हीरोइन को मेरे साथ जोड़ी बनाने में कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो हमारी जोड़ी से लोगों को क्या प्रॉब्लम है? हमारी जोड़ी फिल्म के लिए है, फिल्म की कहानी के हिसाब से है। अच्छी है या बुरी है, यह तो दर्शक तय करेंगे न।

**'सिकंदर' को रिलीज हुए एक सप्ताह ही हुआ है और फिल्म ने वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में आपको इस फिल्म से आगे क्या उम्मीदें हैं?**

हर कलाकार चाहता है कि उसकी फिल्म अच्छा बिजनेस करे। वैसे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा सोचता नहीं हूं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं और एक बार काम खत्म हो गया, तो सारी टेंशन छोड़ देता हूं। वैसे पर्सनली मैं अगर बात करूं, तो फिल्म अच्छी बनी है। मेरे पिताजी ने भी फिल्म देखी है। उन्होंने भी 'सिकंदर' की तारीफ की है। उन्हें भी फिल्म अच्छी लगी है।

**'सिकंदर' की रिलीज के तीन दिन पहले मोहनलाल की 'एल2 एंपुरान' रिलीज हुई थी और अब सनी देओल की फिल्म 'जाट' रिलीज होने वाली है। इन फिल्मों की वजह से 'सिकंदर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर क्या कोई इफेक्ट पड़ेगा?**

'एल2 एंपुरान' को पृथ्वीराज सुकुमारन ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म के एक्टर मोहनलाल सर को एक अभिनेता के तौर पर मैं बहुत पसंद करता हूं। मुझे पक्का यकीन है कि यह एक बेहतरीन फिल्म होगी। जहां तक 'जाट' का सवाल है तो वह सनी प्राजी की फिल्म है। मोहनलाल और सनी देओल दोनों से ही से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। आपस में कैसा टकराव? मैं तो चाहता हूं कि हम सभी की फिल्में अच्छी चलें। हम सभी अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। तो उसका अच्छा फल ही मिलेगा। *

### मेरे पिता हैं रियल लाइफ सिकंदर

इस फिल्म में तो सलमान खान सिकंदर का रोल निभा रहे हैं। लेकिन रियल लाइफ सिकंदर वे किसे मानते हैं? इसके जवाब में सलमान कहते हैं, 'मेरे जीवन में सिकंदर तो एक ही हैं और वह हैं- मेरे पिता सलीम खान। वह आज जो भी हैं, अपने दम पर हैं। मेरे वालिद (पिता) का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उनको कुछ भी नहीं मालूम था कि ग्लैमर वर्ल्ड में अपने आपको कैसे स्थापित करना है। अपने टैलेंट और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम बनाया। उन्होंने सिर्फ अपने आपको ही नहीं हमारे पूरे परिवार को अपने अकेले दम पर संभाला और सभी को एक मुकम्मल मुकाम दिया। इसलिए मेरी नजर में असली सिकंदर वही हैं।